हिन्दी विभाग

प्रेमचंद जयंती

31 जुलाई 2023

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 31 जुलाई 2023 को महान साहित्यकार व उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाते हुए सत्र में जयंती की शुरूआत की गई। प्रतिवर्ष 40 की संख्या में नए छात्र एम ए हिन्दी में प्रवेश लेते हैं, जिनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने, विषय के प्रति ज्ञान को संवर्द्धन करने, वक्तव्य कला को परिमार्जित करने, नई सीख देते हुए सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसीत करने तथा मानवीय सद्गुणों को आचरण में लाने का जिम्मा विभाग के शिक्षक उठाते हैं। छात्रों के बीच विभिन्न कवि–लेखकों की जयंती समय–समय पर मनाते हुए उनके जीवन के आदर्शों को करीब से दिग्दर्शन कराने का कार्य भी शिक्षकों का उद्योग रहता है।

इसी क्रम में सत्र 2023–24 में प्रथम विभागीय गतिविधि के रूप में विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ0 रमेश टण्डन की अध्यक्षता व डॉ0 आकांक्षा मिश्रा अतिथि व्याख्याता के सहयोग से प्रेमचंद के आदर्शोन्मुख यथार्थवाद को बारिकी से समझा गया। छात्रा छाया डनसेना, रोहितकुमार, छाया राठौर, गीता कुमारी, अनिषा घृतलहरे, हेमलता सिदार, पिंकी साहू, देविका राठिया, हेमलता, रूखमणी राठिया, अम्बिका राठिया, शकुन्तला राठिया, इन्दू, गौरी कुमारी, लता जायसवाल, हंसनी साहू, सुनयना निषाद, श्रद्धा कुमारी, लीलाधर राठिया, पंकजकुमार डनसेना, सुनिता मिरी, भावना केंवट व साक्षी यादव की मुख्य उपस्थिति में डॉ0 आर के टण्डन ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्रेमचन्द के अंतिम उपन्यास गोदान में उल्लेखित होरी–धनिया संवाद, गोबर–झुनिया संवाद, मथुरा–सिलिया संवाद, मेहता–मालती संवाद, ओंकानराथ–रायसाहब संवाद, खन्ना–गोविन्दी संवाद, झिंगुरीसिंह–दातादीन संवाद आदि की सारगर्भित बातों तथा मानवीय मूल्यों का जिक्र किया। एक बार झुनिया गोबर से कहती है, ''मर्द का हरजाईपन औरत को भी उतना ही बुरा लगता है, जितना औरत का मर्द को।'' अंत में मोह की परिभाषा अंतिम साँस लेते हुए होरी के आँसू ने बता दी, ''जो कुछ अपने से नहीं बन पड़ा, उसी के दुख का नाम तो मोह है।'' अन्य छात्र वक्ताओं ने प्रेमचन्द के जीवन–परिचय, रचनाओं आदि पर प्रकाश डाला। छाया राठौर के मंच संचालन व राज्य गीत प्रस्तुतिकरण, रोहित चन्द्रा, छाया डनसेना, डॉ0 आकांक्षा मिश्रा व छाया राठौर के उद्बोधन तथा पिंकी साहू के आभार वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+5QH, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978424°
Long 83.11217°
31/07/23 01:08 PM GMT +05:30
Google

एमजी कॉलेज में मनाई गई महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती

जनकर्म न्यूज

खरसिया। शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में 31 जुलाई को महान साहित्यकार व उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई। प्रतिवर्ष 40 को संख्या में नए छात्र एमए हिन्दी में प्रवेश लेते हैं, जिनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने, विषय के प्रति ज्ञान को संवर्द्धन करने, वक्तव्य कला को परिमार्जित करने, नई सीख देते हुए सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने तथा मानवीय सद्गुणों को आचरण में लाने का जिम्मा विभाग के शिक्षक उठाते हैं। छात्रों के बीच विभिन्न कवि-लेखकों की जयंती समय-समय पर मनाते हुए इनके जीवन के आदर्शों को करीब से दिग्दर्शन कराने का कार्य भी शिक्षकों का उद्योग रहता है। इसी क्रम में सत्र 2023 24 में प्रथम विभागीय गतिविधि के रूप में विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ.रमेश टण्डन की अध्यक्षता व डॉ. आकांक्षा मिश्रा अतिथि व्याख्याता के सहयोग से प्रेमचंद के आदर्शोन्मुख यथार्थवाद को बारिकी से समझा गया। छात्रा छाया डनसेना, रोहितकुमार, छाया राठौर, गीता कुमारी, अनिषा घृतलहरे, हेमलता सिदार, पिंकी साहू, देविका राठिया, हेमलता, रूखमणी राठिया, अम्बिका राठिया, शकुन्तला राठिया, इन्दु, गौरी कुमारी, लता जायसवाल, हंसनी साहू, सुनयना निषाद, श्रद्धा कुमारी, लीलाधर राठिया, पंकज कुमार डनसेना, सुनिता मिरी, भावना केंवट व साक्षी यादव की उपस्थिति में डॉ. आरके टण्डन ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्रेमचन्द के अंतिम उपन्यास गोदान में उल्लेखित होरी धनिया संवाद, गोबर-झुनिया संवाद, मधुरा-सिलिया संवाद, मेहता-मालती संवाद, ओंकारनाथ-रायसाहब संवाद, खन्ना-गोविन्दी संवाद, झिंगुरीसिंह दातादीन संवाद आदि की सारगर्भित बातों तथा मानवीय मूल्यों का जिक्र किया। एक बार झुनिया गोबर से कहती है, "मर्द का हरजाईपन औरत को भी उतना ही बुरा लगता है, जितना औरत का मर्द को। अंत में मोह की परिभाषा अंतिम साँस लेते हुए होरी के आँसू ने बता दी, "जो कुछ अपने से नहीं बन पड़ा, उसी के दुख का नाम तो मोह है।' छात्र वक्ताओं ने प्रेमचन्द के जीवन परिचय, रचनाओं आदि पर प्रकाश डाला। छाया राठौर के मंच संचालन व राज्य गीत प्रस्तुतिकरण, रोहित चन्द्रा, छाया डनसेना, डॉ.आकांक्षा मिश्रा व छाया राठौर के उद्बोधन तथा पिंकी साहू के आभार वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2022-2023

ग्राम-छातामुरा प.ह.नं.....

-:: उद्घोषणा ::-

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार अग्रवाल पिता गोपाल दास अग्रवाल निवासी-छातामुरा रायगढ़ तहसील पुसौर जिला रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा अपने हक अधिकार व स्वामित्व की ग्राम छातामुरा तहसील पुसौर जिला रायगढ़ में स्थित खसरा नंबर 136/1ख रकबा 0.454 है. खसरा नंबर 144/5 रकबा 0.101 है. खसरा नंबर 144/12 रकबा 0.066 है. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में परिवर्तित कर निर्धारण करने हेतु आवेदन पत्र अंतर्गत छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत आवेदन पर इस न्यायालय में दिनांक 7/08/2023 को सुनवाई नियत की गई है। उक्त संबंध में किसी भी को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक तक दावा/आपत्ति इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)

रायगढ़ (छ.ग.)

सील

कालेज में मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई

समवेत शिखर संवाददाता

खरसिया। शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में 31 जुलाई को महान साहित्यकार व उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई।

प्रतिवर्ष 40 की संख्या में नए छात्र एमए हिन्दी में प्रवेश लेते हैं, जिनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने, विषय के प्रति ज्ञान को संवर्द्धन करने, वक्तव्य कला को परिमार्जित करने, नई सीख देते हुए सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने तथा मानवीय सद्गुणों को आचरण में लाने का जिम्मा विभाग के शिक्षक उठाते हैं। छात्रों के बीच विभिन्न कवि-लेखकों की जयंती समय-समय पर मनाते हुए उनके जीवन के आदर्शों को करीब से दिग्दर्शन कराने का कार्य भी शिक्षकों का उद्योग रहता है।

इसी क्रम में सत्र 2023-24 में प्रथम विभागीय गतिविधि के रूप में विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ.रमेश टण्डन की अध्यक्षता व डॉ.आकांक्षा मिश्रा अतिथि व्याख्याता के सहयोग से प्रेमचंद के आदर्शोन्मुख यथार्थवाद को बारिकी से समझा गया। छात्रा छाया डनसेना, रोहितकुमार, छाया राठौर, गीता कुमारी, अनिषा घृतलहरे, हेमलता सिदार, पिंकी साहू, देविका राठिया, हेमलता, रूखमणी राठिया, अम्बिका राठिया, शकुन्तला राठिया, इन्दु, गौरी कुमारी, लता जायसवाल, हंसनी साहू, सुनयना निषाद, श्रद्धा कुमारी, लीलाधर राठिया, पंकजकुमार डनसेना, सुनिता मिरी, भावना केंवट व साक्षी यादव की उपस्थिति में डॉ.आरके टण्डन ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्रेमचन्द के अंतिम उपन्यास गोदान में उल्लेखित होरी-धनिया संवाद, गोबर-झुनिया संवाद, मथुरा-सिलिया संवाद, मेहता-मालती संवाद, ओंकानराथ-रायसाहब संवाद, खन्ना-गोविन्दी संवाद, झिंगुरीसिंह-दातादीन संवाद आदि की सारगर्भित बातों तथा मानवीय मूल्यों का जिक्र किया। एक बार झुनिया गोबर से कहती है, ''मर्द का हरजाईपन औरत को भी उतना ही बुरा लगता है, जितना औरत का मर्द को। अंत में मोह की परिभाषा अंतिम साँस लेते हुए होरी के आँसू ने बता दी, ''जो कुछ अपने से नहीं बन पड़ा, उसी के दुख का नाम तो मोह है।'छात्र वक्ताओं ने प्रेमचन्द के जीवन-परिचय, रचनाओं आदि पर प्रकाश डाला।